भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.08.2025 के

तारांकित प्रश्न सं. 392 का उत्तर

त्रिपुरा और समस्तीपुर के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना

***392. श्री बिप्लब कुमार देब:**
श्री सुनील कुमार:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) त्रिपुरा में अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीबीएस) के अंतर्गत पुनर्विकास हेतु कितने स्टेशन चिह्नित किए गए हैं;

(ख) क्या बिहार के समस्तीपुर मंडल के बगहा और हरिनगर रेलवे स्टेशनों को उक्त योजना में शामिल किया गया है; और

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो क्या सरकार उन्हें शामिल करने पर विचार करेगी?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 20.08.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 392 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): भारतीय रेल ने ग्राहकों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने और बेहतर सुविधाएँ मुहैया कराने के लिए, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध रूप में उनका कार्यान्वयन शामिल है। मास्टर योजना बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार**
- **शहर के दोनों छोर के साथ स्टेशन का एकीकरण**
- **स्टेशन भवन में सुधार**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर बूथ में सुधार**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान**
- **लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान**
- **प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान**
- **पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमॉडल एकीकरण**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एग्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान**

इस योजना में संवहनीय और पर्यावरण के अनुकूल समाधान, आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार गिट्टी रहित पटरियों आदि का प्रावधान, और स्टेशन पर दीर्घकालिक रूप से सिटी सेंटर का निर्माण भी शामिल है।

इस योजना के अंतर्गत त्रिपुरा राज्य में स्थित 4 स्टेशनों और बिहार राज्य में स्थित समस्तीपुर मंडल के 23 स्टेशनों सहित 98 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। त्रिपुरा और बिहार राज्य में इस योजना के अंतर्गत चिह्नित किए गए स्टेशनों की सूची निम्नानुसार है:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
त्रिपुरा	4	अगरतला, धर्मानगर, कुमारघाट, उदयपुर
बिहार	98	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, अररिया कोर्ट, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बरहिया, बरौनी, बढ़, बारसोई जंक्शन, बेगुसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहारशरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चकिया, चौसा, छपरा, दलसिंह सराय, दरभंगा, दौरम मधेपुरा, डेहरी ऑन सोन, ढोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गौती, एकमा, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जंक्शन,

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
		जमालपुर जंक्शन, जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जहानाबाद, झंझारपुर, कहलगांव, करहगोला रोड, कटिहार जंक्शन, खगड़िया जंक्शन, किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लखमिनिया, लक्खीसराय जंक्शन, मधुबनी, महेशखूंट, मैरवा, मानसी जंक्शन, मसरख, मोकामा, मोतीपुर, मुंगेर (मोंगहिर), मुजफ्फरपुर जंक्शन, नबीनगर रोड, नरकटियागंज जंक्शन, नौगछिया, नवादा, पहाड़पुर, पाटलिपुत्र, पटना जंक्शन, पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेंद्र नगर टर्मिनल (पटना), राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, सबौर, सगौली, सहरसा, साहिबपुर कमाल, सकरी, सलौना, सालमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पटोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढी, सीवान, सोनपुर जंक्शन, सुल्तानगंज, सुपौल, तारेगना, ठाकुरगंज, थावे

भारतीय रेल में स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के कार्य सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को पारस्परिक प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किया जाता है। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्यों की स्वीकृति और निष्पादन के समय निचली श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है। हाल के वर्षों में यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए बगहा और हरिनगर स्टेशनों पर निम्नलिखित विकास कार्य किए गए हैं:

- बगहा स्टेशन: प्लेटफार्म संख्या 1 की प्लेटफार्म सतह की ऊँचाई बढ़ाने, प्लेटफार्म शेल्टर और परिचलन क्षेत्र में सुधार के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। प्लेटफार्म संख्या 2 की प्लेटफार्म सतह की ऊँचाई बढ़ाने, नए स्टेशन भवन और 3 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया जा चुका है।

- हरिनगर स्टेशन: प्लेटफार्म सतह की ऊँचाई बढ़ाने, प्लेटफार्म शेल्टर और 3 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य पूरा किया जा चुका है। नए स्टेशन भवन का कार्य शुरू किया जा चुका है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत त्रिपुरा और बिहार राज्यों में रेलवे स्टेशनों पर विकास के कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। अभी तक, इस योजना के अंतर्गत बिहार राज्य में 02 स्टेशनों (पीरपैंती और थावे) के चरण-I के कार्य पूरा किए जा चुके हैं।

- **पीरपैंती स्टेशन: चरण-I के कार्य पूरे किए जा चुके हैं, जिनमें स्टेशन भवन का सुधार, शौचालयों का सुधार, प्रतीक्षालय, बुकिंग काउंटर, परिचलन क्षेत्र, संकेतकों, सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड, रेलगाड़ी संकेतन बोर्ड आदि शामिल हैं।**
- **थावे स्टेशन: चरण-I के कार्य पूरे हो चुके हैं, जिनमें स्टेशन भवन का सुधार, प्रतीक्षालय, पहुँच मार्ग, प्रवेश द्वार, बुकिंग काउंटर, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफ़ॉर्म का विस्तार, प्लेटफ़ॉर्म की सतह की ऊंचाई बढ़ाने, प्लेटफ़ॉर्म की सतह संबंधी कार्य, संकेतक, नए शौचालय, नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर आदि संबंधी कार्य शामिल हैं।**

अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं और उपर्युक्त कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार की गई है:

- **सहरसा स्टेशन: नए प्रतीक्षालय और शौचालय ब्लॉक सहित नए स्टेशन भवन के संरचना संबंधी कार्य, पार्किंग क्षेत्र का सुधार, परिचलन क्षेत्र का विकास, प्रवेश द्वार, परिचलन क्षेत्र में चारदीवारी का कार्य पूरा किया जा चुका है और नए 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।**

- **सलौना स्टेशन: नए स्टेशन भवन का संरचना संबंधी कार्य, नए पार्किंग क्षेत्र का विकास, प्लेटफार्म संख्या 2 की सतह की ऊंचाई बढ़ाने और सतह संबंधी कार्य पूरे किए जा चुके हैं और नए 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का निर्माण, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्लेटफार्म संख्या 1 की सतह की ऊंचाई बढ़ाने, नए प्लेटफार्म शेल्टर आदि के कार्य शुरू किए गए हैं।**
- **लखीसराय स्टेशन: नए स्टेशन भवन और नए शौचालय ब्लॉक का संरचना संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है। नए स्टेशन भवन और शौचालय ब्लॉक में ईंटों और प्लास्टर का कार्य, परिचलन क्षेत्र का विकास कार्य, नाली निर्माण कार्य, पोर्च निर्माण कार्य शुरू किया जा चुका है।**
- **गया स्टेशन: द्वितीय प्रवेश द्वार (पश्चिम की ओर) प्रस्थान और आगमन भवन, मुख्य प्रवेश द्वार (पूर्व की ओर) प्रस्थान भवन, तीर्थ यात्रियों के लिए नए भवन और भूमिगत जलाशय का संरचना संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है। नई मल्टी लेवल दोपहिया वाहन पार्किंग की दो मंजिलों को कमीशन किया जा चुका है, अतिरिक्त दो मंजिलों पर कार्य शुरू किया जा चुका है। एयर कॉन्कोर्स का निर्माण, स्टेशन भवनों का फिनिशिंग कार्य, नए प्लेटफार्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र के विकास आदि का कार्य शुरू किया जा चुका है।**
- **मुजफ्फरपुर जंक्शन स्टेशन: नए संयुक्त टर्मिनल भवन का संरचना संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है और नया टिकट बुकिंग कार्यालय कमीशन किया गया है। द्वितीय प्रवेश द्वार की ओर आगमन और प्रस्थान ब्लॉक भवन और सेवा भवनों का संरचना**

संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है। मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन का निर्माण, द्वितीय प्रवेश द्वार की ओर स्थित स्टेशन भवनों का फिनिशिंग कार्य, पैदल पार पुल का निर्माण, परिचलन क्षेत्र का विकास, एलिवेटेड रोड का कार्य शुरू किया गया है।

- अगरतला स्टेशन: लिफ्ट संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है। 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल और स्टेशन भवन का कार्य शुरू किया गया है।

- धर्मनगर स्टेशन: प्लेटफार्म शेल्टर, पहुँच मार्ग में सुधार और चारदीवारी का कार्य पूरा किया जा चुका है। परिचलन क्षेत्र में सुधार, 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल और एस्केलेटर संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं।

- कुमारघाट स्टेशन: 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पहुँच मार्ग, नया प्रतीक्षालय और प्लेटफार्म शेल्टर का कार्य शुरू किया गया है।

- उदयपुर स्टेशन: 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, प्रतीक्षालय और शौचालय के सुधार का कार्य शुरू किया गया है।

निधियों का आवंटन:

भारतीय रेल यात्रियों को उन्नत एवं आधुनिक सुविधाएँ मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। हाल के वर्षों में, रेल मंत्रालय ने ग्राहक सुविधाओं के उन्नयन हेतु पहले की तुलना में अधिक निवेश किया है। वर्ष 2004 - 14, 2014 - 25 और 2025 - 26 के दौरान योजना शीर्ष-53

'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किए गए व्यय निम्नानुसार है:

अवधि	योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत व्यय
2004-14	6,733 करोड़ रूपए
2014-25	35,591 करोड़ रूपए
2025-26 (जुलाई, 2025 तक)	3,701 करोड़ रूपए

इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत वित्त पोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार, स्टेशन-वार अथवा राज्य-वार।

त्रिपुरा राज्य पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इस क्षेत्र के लिए, योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 554 करोड़ रूपए की निधि का आवंटन किया गया है और अब तक (जुलाई, 2025 तक) 139 करोड़ रूपए का व्यय किया जा चुका है।

बिहार राज्य चार रेलवे जोन, अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्व मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन जोनों के लिए, योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1,824 करोड़ रूपए की निधि का आवंटन किया गया है और अब तक (जुलाई 2025 तक) 591 करोड़ रूपए का व्यय किया जा चुका है।

रेलवे स्टेशनों का उन्नयन/विकास/पुनर्विकास जटिल प्रकृति का कार्य है, जिसमें यात्रियों और गाड़ियों की संरक्षा शामिल है और इसके लिए विभिन्न सांविधिक मंजूरी जैसे दमकल संबंधी मंजूरी, धरोहर, पेड़ काटना, विमानपत्तन संबंधी मंजूरी आदि की आवश्यकता होती है। ब्राउन फील्ड से संबंधित चुनौतियों जैसे जनोपयोगिताओं (पानी/सीवेज लाइनों, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइनों, बिजली/सिगनल केबल आदि) के स्थानांतरण, अतिलंघन, यात्रियों की आवाजाही में बाधा डाले बिना गाड़ियों का परिचालन, पटरियों और उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए गए कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि के कारण प्रगति प्रभावित होती है और ये कारक कार्यों के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अतः इस स्तर पर कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

*****